अनुक्रमणिका

"माला वर्मा और प्रीति सेनगुप्ता के यात्रा साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन"

विवरण	पृ. सं.
प्रथम अध्याय **यात्रा साहित्य का स्वरूप निर्धारण**	**10-41**
1.1 यात्रा एक परिचय **1.2 यात्रा साहित्य की परिभाषा** **1.3 यात्रा साहित्य की उपादेयता** **1.4 तुलनात्मक अध्ययन एवं स्वरूप** **1.5 तुलनात्मक अध्ययन की परिभाषा** **1.6 तुलनात्मक अध्ययन का महत्व** **1.7 तुलनात्मक अध्ययन की आवश्यकता**	
द्वितीय अध्याय **माला वर्मा का व्यक्तित्व व कृतित्व**	**42-88**
2.1 जीवन परिचय **2.2 शिक्षा-दीक्षा** **2.3 पारिवारिक पृष्ठभूमि** **2.4 विवाह** **2.5 कृतित्व** **2.6 सम्मान** **2.7 संपादन/प्रकाशन/प्रसारण**	

2.8 हिन्दी यात्रा साहित्य के विकास में माला वर्मा का योगदान 2.9 माला वर्मा का साक्षात्कार	
तृतीय अध्याय प्रीति सेनगुप्ता का व्यक्तित्व व कृतित्व	89-116
3.1 जीवन परिचय 3.2 शिक्षा-दीक्षा 3.3 पारिवारिक पृष्ठभूमि 3.4 विवाह 3.5 कृतित्व 3.6 सम्मान 3.7 गुजराती यात्रा साहित्य के विकास में प्रीति सेनगुप्ता का योगदान 3.8 प्रीति सेनगुप्ता का साक्षात्कार	
चतुर्थ अध्याय माला वर्मा एवं प्रीति सेनगुप्ता के यात्रावृत्तांतो में विविध आयाम : तुलनात्मक अध्ययन	117-169
4.1 ऐतिहासिक आयाम 4.2 सामाजिक आयाम 4.3 सांस्कृतिक आयाम 4.4 धार्मिक आयाम 4.5 प्राकृतिक आयाम	
पंचम अध्याय माला वर्मा और प्रीति सेनगुप्ता के यात्रा साहित्य का यात्रा के तत्वों के आधार पर तुलनात्मक अध्ययन	170-232
5.1 प्रत्यक्ष अनुभव 5.2 व्यापक जीवन 5.3 कलात्मकता 5.4 पात्र एवं चरित्रांकन	

5.5 परिवेशांकन **5.6 इतिहास बोध** **5.7 उद्देश्य** **5.8 रोचकता** **5.9 भारतीयता के तत्त्व**	
उपसंहार	**233-247**
संदर्भ ग्रंथ सूची	**248-252**